Dr. D. Jha, S.R.A.P. College Chakulia

इंगलैण्ड का इतिहास, Paper II Hons.

2021 • APRIL • WEDNESDAY 07

MAY 2021

M	T	W	T	F	S	S
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

Q. चार्ल्स द्वितीय की विदेश नीति का मूल्यांकन करें (Discuss the Foreign Policy of Charles II.)

Ans चार्ल्स द्वितीय की वैदेशिक नीति में काफी सफलता नहीं मिली। उसकी सेना को विदेशों में कई जगह धूल चाटनी पड़ी। इसलिए चार्ल्स द्वितीय ने इंगलैण्ड की मान मर्यादा को विदेशों में उतना नहीं फैलाया जितना कि क्रामवेल ने फैलाया था।

(1) स्थायी सेना को भंग करना → चार्ल्स द्वितीय इंगलैण्ड की गद्दी पर बैठा तो पार्लियामेन्ट ने इंगलैण्ड की स्थायी सेना को भंग कर दिया। इससे इंगलैण्ड की घरेलू नीति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा, लेकिन इंगलैण्ड की वैदेशिक नीति को इससे काफी धक्का लगा। स्थायी सेना के अभाव में इंगलैण्ड की जल सेना भी सुचारु ढंग से संगठित नहीं हुई। इस तरह से इंगलैण्ड की सैनिक शक्ति कमजोर पड़ गई, जिसके फलस्वरूप इंगलैण्ड को विदेशों में पग-पग पर हार खानी पड़ी।

(2) फ्रांस से मैत्री → चार्ल्स द्वितीय की नसों में फ्रांसीसी माँ का खून दौड़ रहा था। फ्रांस का राजा 14वां लुई उसका ममेरा भाई था। इसलिए चार्ल्स द्वितीय का झुकाव फ्रांस की ओर स्वाभाविक था। उसने इंगलैण्ड की गद्दी पर बैठते ही फ्रांस की ओर झुकना शुरू किया। उसने फ्रांस के साथ स्थायी संबंध रखने के लिए अपनी बहन की शादी 14वां लुई से कर दी। इतना ही नहीं उसने फ्रांस के साथ स्थायी संबंध सुदृढ़ करने के विचार से डन्कर्क को 20 लाख पौंड लेकर फ्रांस के हाथ बेच दिया। उस समय डन्कर्क का काफी व्यापारिक महत्व था। इसलिए डन्कर्क के इंगलैंड के हाथ से निकल जाने से काफी आर्थिक क्षति होने लगी। चार्ल्स द्वितीय ने डन्कर्क के

T.D.C. Part - I, Paper - II (Hons)

राजनीतिक झंझटों में नहीं पड़ने के विचार से उसको बेचकर इंगलैण्ड की प्रतिष्ठा धूल मे मिलाकर बदनामी अपने सर पर ले ली।

(3) पुर्तगाल से मैत्री → उस समय पुर्तगाल धन्य-धान्य से परिपूर्ण एक देश था। उनके पास कई उपनिवेश भी थे। यूरोप में उसकी प्रतिष्ठा काफी बढ़ी हुई थी। प्रायः यूरोप का प्रत्येक देश उससे मित्रता करना चाह रहा था। चार्ल्स द्वितीय का भी ध्यान पुर्तगाल की ओर गया। पुर्तगाल उस समय फ्रांस का मित्र था और चार्ल्स द्वितीय की फ्रांस से गहरी मित्रता थी। इसलिए चार्ल्स द्वितीय को पुर्तगाल से स्वाभाविक रूप से मित्रता हो गई। चार्ल्स द्वितीय ने इस मित्रता को अधिक शक्तिशाली बनाने और कायम रखने के विचार से मई, 1662 ई० में पुर्तगाल की राजकुमारी Catherine Morgenza से शादी कर ली। पुर्तगाल की राजकुमारी आठ लाख पौंड दहेज के रूप में लेकर इंगलैण्ड आई और साथ ही-साथ उसे बम्बई द्वितीय को काफी धन हाथ लगा।

(4) हॉलैंड के साथ लड़ाई → इंगलैण्ड और हॉलैंड के पुरानी शत्रुता चली आ रही थी। दोनों एक दूसरे की उन्नति को देखना नहीं चाहते थे। दोनों के बीच शत्रुता का कारण व्यापार था। 1600 ई० के नेवीगेशन एक्ट के अनुसार हॉलैंड इंगलैंड के किसी भी उपनिवेश के साथ व्यापार नहीं कर सकता था। यहाँ तक की जहाज इंगलैण्ड के उपनिवेश

B.A. Honours Part-I, Paper-II

से गुजरता और व्यापार करता तो
हॉलैण्ड के दोनों ओर को कर देना पड़ता
। यह बात हॉलैंड को अच्छी नहीं लगी।
लिए इंगलैण्ड के इस नियम से वह क्रुद्ध था।
ैण्ड के नाविक हमेशा अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका
र एशिया में अंग्रेजी नाविकों को मारने-पीटने
।

(5) दूसरा डच युद्ध → इंगलैण्ड इस समय अपनी
लू नीति में काफी बुरी तरह से उलझा हुआ था।
65 ई० के लन्दन के प्रसिद्ध प्लेग ने उसकी
मस्या को और भी जटिल बना दिया था।
सी बीच अंग्रेज प्लेग की मार को भूले भी
हीं थे कि इंगलैण्ड को भयंकर अग्निकांड की
ति का सामना करना पड़ गया।

(6) ब्रेडा की संधि की विशेषता → चार्ल्स द्वितीय
ने हॉलैंड से ब्रेडा नामक स्थान पर एक संधि
। इसलिए इस संधि का नाम ब्रेडा की संधि
ा।

(7) त्रिगुट की संधि → फ्रांस और स्पेन में बहुत
नों से दुश्मनी चली आ रही थी। उस समय फ्रांस
र स्पेन में भीषण के रूप में लड़ाई चल रही
। फ्रांस की इच्छा थी कि वह नीदरलैण्ड
र चढ़ाई कर नीदरलैण्ड को स्पेन से छीन ले।
दरलैण्ड पर फ्रांस का एकछत्र राज्य हो जाने
इंगलैण्ड तथा हॉलैंड दोनों को समान रूप से
तरा था। इसलिए ये दोनों देश भावी खतरे
बचने के लिए स्वेडन को फ्रांस के विरुद्ध लाने
प्रयत्न करने लगे और अन्त में उन्हें इस
ार्य में सफलता मिल गई। अतः इन तीनों प्रोटेस्टेंट
शों (हॉलैण्ड, इंगलैण्ड और स्वेडन) में जनवरी,
668 ई० में William Temple नामक इंगलैंड के
ाजदूत ने हेग नामक स्थान पर एक संधि की

इंगलैण्ड का इतिहास, Hons, Paper-II

MARCH 2021						
S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

जो त्रिगुट की संधि के नाम से जानी जाती है।

(8) डोबर की गुप्त संधि → फ्रांस का राजा लुई 14वाँ चार्ल्स द्वितीय का ममेरा भाई था। अतः दोनों में घनिष्ट मित्रता थी, परन्तु त्रिगुट संधि को लेकर लुई 14वाँ चार्ल्स द्वितीय से नाराज हो गया था। इसलिए चार्ल्स द्वितीय ने फ्रांस के साथ अपनी मित्रता को पुनः सुदृढ़ करने के विचार से 1670 ई० में फ्रांस के साथ एक गुप्त संधि की। यह संधि भी एक महत्वपूर्ण संधि थी।

(9) डचों की तीसरी लड़ाई → डोबर की गुप्त संधि के अनुसार चार्ल्स द्वितीय को फ्रांस की मदद के लिए हालैण्ड के विरुद्ध लड़ाई लड़नी पड़ी। हालैण्ड और इंगलैण्ड के बीच लड़ाई शुरू हो गई। काफी खून-खराबी के बाद इस लड़ाई में विजय-माला हालैण्ड को मिली। लड़ाई में इंगलैण्ड को कोई लाभ नहीं हो सका।

(10) वेस्टमिनिस्टर की सन्धि → चार्ल्स द्वितीय समय की गति को पहचान कर चला करता था। जब उसने देखा कि पार्लियामेन्ट उससे नाखुश हो गई है तो उसने शीघ्र ही उसे खुश करने के लिए पार्लियामेन्ट के समर्थक डेन्बी को अपना प्रधानमंत्री बना दिया। इससे

11 SUNDAY

पार्लियामेन्ट बहुत खुश हो गई क्योंकि डेन्बी फ्रांस को अपनी फूटी आँखों से भी नहीं देखना चाहता था। डेन्बी हालैण्ड की मित्रता प्राप्त करना चाहता था। इसलिए उसने हालैण्ड के साथ चल रही लड़ाई को बन्द कर दिया। अतः इंगलैण्ड और हालैण्ड के मध्य वेस्टमिनिस्टर नामक जगह पर संधि हो गई। इसलिए यह सन्धि वेस्टमिनिस्टर की संधि कहलाई।